

प्रारंभिक परीक्षा

अंटार्कटिक ओजोन छिद्र में सुधार

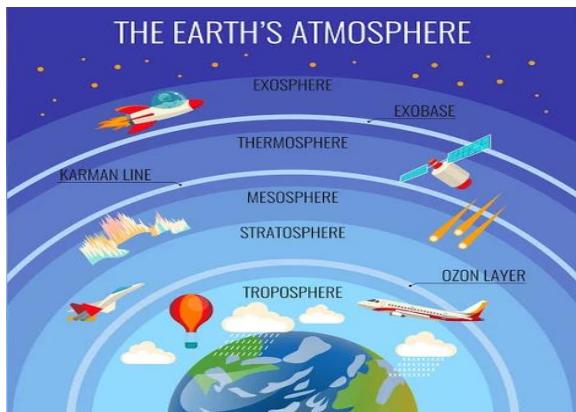
संदर्भ

अंटार्कटिक ओजोन छिद्र का 2025 में असामान्य रूप से शीघ्र बंद होना, जिसकी पुष्टि 1 दिसंबर के आसपास हुई है, ओजोन परत में निरंतर सुधार का एक महत्वपूर्ण संकेतक है।

- अंटार्कटिक ओजोन छिद्र समतापमंडलीय ओजोन का एक मौसमी और स्पष्ट क्षरण है, जो अंटार्कटिका के ऊपर होता है, जो आमतौर पर दक्षिणी गोलार्ध के वसंत के दौरान अगस्त से नवंबर तक होता है।
- सितंबर 2025 में, यह छिद्र अपने अधिकतम क्षेत्रफल 2.1 करोड़ वर्ग किलोमीटर तक पहुँच गया, जिसके बाद यह सिकुड़ने लगा। ऐतिहासिक रूप से, अब तक का सबसे बड़ा ओजोन छिद्र क्षेत्रफल 2006 में 2.9 करोड़ वर्ग किमी से अधिक दर्ज किया गया था।
- समतापमंडलीय ओजोन, जो लगभग 10-40 किमी की ऊँचाई पर स्थित है, सूर्य से आने वाले हानिकारक परावैगनी (UV) विकिरण को अवशोषित करके एक सुरक्षात्मक ढाल के रूप में कार्य करती है।

ओजोन परत के बारे में -

- समताप मंडल में 10-40 किमी ऊपर स्थित अपेक्षाकृत उच्च ओजोन (O_3) सांदर्ता वाला एक क्षेत्र।



- प्राकृतिक प्रकाश-रासायनिक अभिक्रियाओं के माध्यम से निर्मित, जब परावैगनी विकिरण ऑक्सीजन अणुओं (O_2) को परमाणुओं में विभाजित करता है जो पुनर्संयोजित होकर ओजोन बनाते हैं।
- एक सुरक्षा क्वच के रूप में कार्य करता है, जो सूर्य के अधिकांश हानिकारक परावैगनी-B (UV-B) और UV-C विकिरण को अवशोषित करता है।
- ओजोन क्षरण के कारण:
 - ओजोन-क्ष्यकारी पदार्थों (ODS) का उत्सर्जन: मानव-निर्मित रसायन जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड, मिथाइल क्लोरोफॉर्म, एचसीएफसी और मिथाइल ब्रोमाइड समताप मंडल में क्लोरीन और ब्रोमीन परमाणु छोड़ते हैं, जो ओजोन अणुओं को उत्प्रेरक रूप से नष्ट कर देते हैं।
 - अत्यधिक ठंडे और ध्रुवीय समतापमंडलीय बादल (PSC): अंटार्कटिका के अत्यंत कम शीतकालीन तापमान के कारण PSC बनते हैं, जो निष्क्रिय क्लोरीन/ब्रोमीन को अत्यधिक प्रतिक्रियाशील रूपों में परिवर्तित कर देते हैं, जिससे ओजोन का विनाश तेज हो जाता है।
 - दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य के प्रकाश की वापसी वसंत क्रतु में: जब अगस्त-सितंबर में सूर्य का प्रकाश वापस आता है, तो यह प्रकाश-रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सक्रिय करता है जो सक्रिय क्लोरीन रेडिकल्स को मुक्त करता है, जिससे तेजी से ओजोन क्षरण होता है।
 - ध्रुवीय भंवर अलगाव: मजबूत अंटार्कटिक ध्रुवीय भंवर ठंडी हवा को रोक लेता है और निचले अक्षांशों से आने वाली ओजोन-समृद्ध हवा के साथ मिलने से रोकता है, जिससे मौसमी ओजोन छिद्र और अधिक गहरा हो जाता है।

स्रोत: [डीटीई](#)

श्वसन-योग्य माइक्रोप्लास्टिक्स (Inhalable Microplastics)

संदर्भ

एक नए बहु-शहर अध्ययन ने भारतीय महानगरीय बाजारों में एक नए उभरते वायु प्रदूषक के रूप में श्वसन-योग्य माइक्रोप्लास्टिक्स (IMP) की पहचान की है।

श्वसन-योग्य माइक्रोप्लास्टिक्स (IMP) क्या हैं?

- 10 माइक्रोमीटर (μm) से छोटे प्लास्टिक कण जो साँस के माध्यम से मानव श्वसन तंत्र में प्रवेश कर सकते हैं।
- सामान्य माइक्रोप्लास्टिक्स (5 मिमी से भी कम) की तुलना में बहुत छोटे, इस प्रकार फेफड़ों के ऊतकों, एल्वियोली और यहाँ तक कि रक्तप्रवाह में भी प्रवेश करने में सक्षम।
- ये सिंथेटिक कपड़ों के रेशों (पॉलिएस्टर), टायरों के धिसाव, जूतों के क्षरण, पैकेजिंग सामग्री और शहरी कचरे से उत्पन्न होते हैं।
- अपने कम घनत्व और वायुगतिकीय गुणों के कारण, ये लंबे समय तक हवा में लटके रहते हैं, जिससे इनके संपर्क में आने का खतरा बढ़ जाता है।

श्वसन -योग्य माइक्रोप्लास्टिक्स के प्रभाव -

- स्वास्थ्य पर प्रभाव:
 - श्वसन रोग: जलन, पुरानी सूजन, फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी, अस्थमा में वृद्धि और सीओफीडी जैसे लक्षण।
 - फेफड़ों में गहरा प्रवेश: 2.5 μm से कम के कण मैक्रोफेज के साथ संपर्क करते हैं और एल्वियोली तक पहुंचते हैं; 1 μm से कम के कण रक्तप्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं।
 - रोगजनकों के वाहक: एस्प्रग्लिस फ्लूमिगेट्स, कैंडिडा और एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैसिलस प्रजातियों जैसे कवक और बैक्टीरिया को ले जाते हुए पाए जाते हैं।
 - जहरीले रसायनों का जोखिम: डीईपी (हार्मोनल असंतुलन, प्रजनन संबंधी मुद्दों से जुड़ा हुआ), फेथलेट्स, और सीसा (मस्तिष्क, नसों, गुर्दे के लिए नुकसानदायक)।

○ कैंसर का खतरा: कुछ पहचाने गए पॉलिमर (पीईटी, पॉलीथीन, सिंथेटिक रबर) कार्सिनोजेनिक मार्गों से जुड़े हैं।

○ प्रणालीगत प्रभाव: ऑक्सीडेटिव तनाव, प्रतिरक्षा दमन, प्रजनन और अंतःस्रावी व्यवधान।

● पर्यावरणीय प्रभाव:

○ स्थायी प्रदूषक: लंबे समय तक वायुमंडलीय जीवन; शहरों में फैल सकता है और नदियों, मिट्टी और महासागरों में जमा हो सकता है।

○ खाद्य श्रृंखला संदूषण: हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक अंततः जल निकायों और समुद्री जीवन में प्रवेश करते हैं, और भोजन और नमक के माध्यम से मनुष्यों में वापस आ जाते हैं।

● शहरी वायु गुणवत्ता प्रभाव:

○ PM2.5 और PM10 भार का 5% तक हिस्सा बनता है, जिससे पारंपरिक वायु प्रदूषण नियंत्रण रणनीतियाँ जटिल हो जाती हैं।

○ सर्दियों में व्युत्क्रमण और भीड़-भाड़ वाले बाजारों के दौरान चरम पर पहुंचता है, जिससे मानव जोखिम बढ़ता है।

स्रोत: [डीटीई](#)

एशिया पावर इंडेक्स 2025

संदर्भ

एशिया पावर इंडेक्स 2025 में भारत ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

एशिया पावर इंडेक्स के बारे में -

- यह एक वार्षिक मूल्यांकन है जो इस बात का आकलन करता है कि एशिया के देश अपने बाहरी रणनीतिक वातावरण को कितनी प्रभावी ढंग से प्रभावित कर सकते हैं और उस पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं, साथ ही क्षेत्र की शक्ति गतिशीलता का मानचित्रण भी करते हैं।
- 2018 में लॉन्च किया गया, इसका 2025 का संस्करण सूचकांक का सातवाँ संस्करण है।

- इसे लोवी इंस्टीट्यूट, (ऑस्ट्रेलिया) द्वारा विकसित और प्रकाशित किया गया है।
- यह सूचकांक एशियाई क्षेत्र के 27 देशों और क्षेत्रों की सापेक्ष शक्ति का मूल्यांकन करता है।
- मूल्यांकन किए गए आठ विषयगत आयाम हैं:
 - संसाधन:** आर्थिक क्षमता, सैन्य क्षमता, लंबीलापन, भविष्य के संसाधन
 - प्रभाव:** राजनयिक प्रभाव, आर्थिक संबंध, रक्षा नेटवर्क, सांस्कृतिक प्रभाव



स्रोत: [टीओआई](#)

तमिलनाडु के उत्पादों के लिए नया जीआई टैग

संदर्भ

तमिलनाडु के कुछ उत्पादों को हाल ही में जीआई टैग दिया गया था।

1. वोरायर कॉटन साड़ियाँ	<ul style="list-style-type: none"> पतली किनारियों, कोरवाई तकनीक, ज्यामितीय रूपांकनों और जीवंत रंग पैलेट (हरा, बैंगनी, बडामल्ली, ताम्र-भूरा) के लिए जाना जाता है। चोल-युग की विरासत वाले देवंगा समुदाय द्वारा पारंपरिक रूप से बुना जाता है।
2. थूयामल्ली चावल	<ul style="list-style-type: none"> देशी किस्म जिसका अर्थ है "शुद्ध चमेली", इसकी चमक के कारण मोती चावल के रूप में जाना जाता है; फाइबर और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर।
3. अंबासमुद्रम लकड़ी के खिलौने (चोप्पू समान)	<ul style="list-style-type: none"> चमकीले रंग, लाख के लकड़ी के खिलौने छोटे बरतन के आकार के हैं; पर्यावरण के अनुकूल, गैर विषैले, बच्चों के लिए सुरक्षित।

	<ul style="list-style-type: none"> पारंपरिक रूप से कदंब, सागौन, अब रबरवुड और नीलगिरि जैसी लकड़ियों का उपयोग करके बनाया गया; कारीगरों की शिल्प कौशल के लिए मूल्यवान।
4. नमककल साबुन के बर्तन।	<ul style="list-style-type: none"> कलचट्टी बर्तन के रूप में जाने जाने वाले ये बर्तन अम्लीय खाद्य पदार्थों (इमली, चूना) को पकाने के लिए आदर्श होते हैं क्योंकि पथर संक्षारण प्रतिरोधी होता है। अत्यधिक टिकाऊ, हस्तनिर्मित पथर के बर्तन जिनका उपयोग अचार, दही, दूध, दीपक, मूर्ति बनाने, डोसा बनाने और रसोई के बर्तन बनाने में किया जाता है।
5. कविंदपदी नटू सरकारई	<ul style="list-style-type: none"> सुनहरे भूरे रंग और उच्च मिठास वाली हस्तनिर्मित पारंपरिक चीनी; भवानी नदी की नहरों से प्राप्त गन्ने से उत्पादित।

जीआई टैग क्या है?

- यह उन उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा संरक्षण का एक रूप है जो एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होते हैं और उस क्षेत्र से जुड़े गुण, प्रतिष्ठा या शिल्प कौशल रखते हैं।
- कानूनी ढांचा: वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999।
- द्वारा प्रशासित: पेटेंट, डिजाइन और ट्रेड मार्क्स महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम), भारत सरकार।
- जीआई टैग के लाभ:
 - उत्पाद के नाम के नकली और अनधिकृत उपयोग को रोककर प्रामाणिकता सुनिश्चित करता है।
 - विपणन क्षमता, निर्धारित और प्रीमियम मूल्य निर्धारण को बढ़ावा देता है।
 - पारंपरिक ज्ञान और ग्रामीण/कारीगर आजीविका को बढ़ावा देता है।

संबंधित तथ्य -

- इन उत्पादों के जुड़ने से तमिलनाडु में जीआई-टैग वाले उत्पादों की कुल संख्या बढ़कर 74 हो गई है।
- तमिलनाडु अब भारत में जीआई उत्पादों की दृष्टि से दूसरे स्थान पर है, जो उत्तर प्रदेश के ठीक बाद आता है, जहाँ जीआई उत्पादों की संख्या 79 है।

स्रोत: [हसडिया](#)

लार्ज एक्सपोजर फ्रेमवर्क (LEF)

संदर्भ

RBI ने स्पष्ट किया कि विदेशी बैंकों की भारतीय शाखाओं को अपने प्रधान कार्यालय और विदेशी शाखाओं के प्रति जोखिमों को एलईफ (LEF) सीमा के तहत सामान्य प्रतिपक्ष जोखिमों के रूप में मानना होगा।

लार्ज एक्सपोजर फ्रेमवर्क (LEF) क्या है?

- यह आरबीआई का एक नियम है जो बैंकों को किसी एक ऋणदाता (borrower) या संबंधित ऋणदाताओं के समूह को बहुत अधिक धन या जोखिम (exposure) देने से रोकता है।
- यह भारत में कार्यरत भारतीय बैंकों और विदेशी बैंकों सहित सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों पर लागू होता है।
- सामान्य तौर पर, किसी बैंक का एकल ऋणदाता के प्रति जोखिम उसके पात्र पूँजी आधार (Eligible Capital Base/Tier-1 capital) के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए, हालाँकि कुछ मामलों में अतिरिक्त 5 प्रतिशत की छूट की अनुमति दी जा सकती है।
- संबंधित ऋणदाताओं के एक समूह के प्रति जोखिम पूँजी आधार के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।
- एलईफ (LEF) बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (BCBS) के बृहद जोखिम मानदंडों के अनुसर है, जो समान वैश्विक विवेकपूर्ण प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

स्रोत: [लाइव मिट](#)

कराहन टेपे

संदर्भ

कराहन टेपे में नई पुरातात्त्विक खोजों ने प्रारंभिक नवपाषाण जीवन में नई अंतर्दृष्टि प्रदान की है।



कराहन टेपे के बारे में -

- स्थान:** ऊपरी मेसोपोटामिया क्षेत्र के भीतर दक्षिणपूर्वी तुर्किये में स्थित है।
- आयु और सांस्कृतिक संदर्भ:** पूर्व-मिट्टी के बर्तनों के नवपाषाण काल (लगभग 9500-9000 ईसा पूर्व)
- विशेषताएँ:**
 - इसे गोबेकली टेपे (Göbekli Tepe) की 'सिस्टर साइट' (Sister site) के रूप में भी जाना जाता है।
 - इसमें गोबेकली टेपे के समान 'T'-आकार के पत्थर के खंभे मौजूद हैं।
 - यह मानव-केंद्रित प्रतीकवाद से समृद्ध है, जिसमें सिले हुए होंठों वाली पत्थर की मूर्तियाँ, नक्काशीदार चेहरे और प्रतीकात्मक वस्तुएँ शामिल हैं।
 - हाल ही में मिली वस्तुओं में एक सर्पेन्टाइन मनका (serpentinite bead) शामिल है, जिसकी दोनों तरफ अभिव्यंजक चेहरे उकेरे गए हैं।

स्रोत: [द हिंदू](#)

एस्ट्रोसैट

संदर्भ

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) ने भारत की पहली समर्पित अंतरिक्ष वेधशाला एस्ट्रोसैट पर प्राथमिक यूवी पेलोड, अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (यूवीआईटी) के सफल संचालन के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।

एस्ट्रोसैट के बारे में -

- द्वारा लॉन्च किया गया: ISRO
- लॉन्च की तारीख: 28 सितंबर 2015
- प्रक्षेपण यान: पीएसएलवी-सी30
- विशेषताएँ:
 - भारत का पहला समर्पित खगोल विज्ञान उपग्रह।
 - आकाशीय पिंडों के एक साथ बहु-तरंग दैर्घ्य अवलोकन प्रदान करता है।
 - एक्स-रे, पराबैंगनी (निकट और दूर), और सीमित ऑप्टिकल रेंज को कवर करता है।
 - ऊर्जा कवरेज: 0.3 केवी से 100 केवी।
- एस्ट्रोसैट ने निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रमुख खोजों को संभव बनाया है: तारा निर्माण और तारकीय विकास, ब्लैक होल और न्यूट्रॉन तारे का व्यवहार, आकाशगंगा विकास और एजीएन अध्ययन, निकटवर्ती और दूरस्थ आकाशगंगाओं में यूवी संरचनाएं, उच्च-ऊर्जा ब्रह्मांडीय घटनाओं का पता लगाना।
- पेलोड:
 - UVIT (अल्ट्रा-वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप): सुदूर-UV, निकट-UV, सीमित प्रकाशीय।
 - LAXPC (लार्ज एरिया एक्स-रे प्रोपोर्शनल काउंटर): उच्च समय विभेदन एक्स-रे अध्ययन (3–80 keV)।
 - SXT (सॉफ्ट एक्स-रे टेलीस्कोप): 0.3–8 keV बैंड में इमेजिंग।
 - CZTI (कैडमियम ज़िंक टेल्यूराइड इमेजर): हार्ड एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी (10–100 keV)।
 - SSM (स्कैनिंग स्काइ मॉनिटर): एक्स-रे क्षणिकों का पता लगाता है और उनकी निगरानी करता है।

स्रोत: [डीडी न्यूज़](#)

हरिमाऊ-शक्ति अभ्यास

संदर्भ

संयुक्त सैन्य अभ्यास "हरिमाऊ शक्ति अभ्यास-2025" का 5वां संस्करण राजस्थान में शुरू हुआ।

अभ्यास हरिमाऊ शक्ति के बारे में -

- अभ्यास का प्रकार: भारतीय सेना और मलेशियाई सेना के बीच एक द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास।
- शुरू हुआ: 2012 में
- फोकस: जंगल युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियान।

भारत और मलेशिया के बीच अन्य अभ्यास

- समुद्र लक्षण (द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास), और उदारा शक्ति (द्विपक्षीय वायु सेना अभ्यास)।

स्रोत: [पीआईबी](#)

यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (OSCE)

संदर्भ

यूक्रेन के विदेश मंत्री ने यूरोप में सुरक्षा एवं सहयोग संगठन में कहा कि यूक्रेन रूस के साथ "तुष्टिकरण नहीं, बल्कि वास्तविक शांति" चाहता है।

OSCE के बारे में -

- मुख्यालय: विन्ना
- सदस्य राष्ट्र: उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया में फैले 57 भाग लेने वाले राज्य। (नोट: भारत इसका सदस्य नहीं है।)
- निर्णय लेना: संगठन सर्वसम्मति-आधारित निर्णय लेने के आधार पर काम करता है।
- शासन ढांचे में शामिल हैं:
 - सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकरण के रूप में शिखर सम्मेलन
 - सुरक्षा सहयोग मंच, जो सुरक्षा के राजनीतिक-सैन्य पहलुओं को संभालता है
 - मानवाधिकार, आर्थिक सहयोग और संघर्ष निवारण पर केंद्रित अतिरिक्त निकाय।

स्रोत: [रॉयटर्स](#)

महाड सत्याग्रह

संदर्भ

महाड भारत के प्रारंभिक मानवाधिकार आंदोलनों में से एक बन गया, जिसने भारतीय संविधान की नैतिक नींव को आकार दिया।

महाड सत्याग्रह के बारे में -

- महाड (वर्तमान रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र) में हुआ, जो उस समय बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था।

महाड सत्याग्रह 1.0 (19-20 मार्च, 1927) -

- डॉ. बी. आर. अंबेडकर के नेतृत्व में, उनके अनुयायियों (अनुयायियों) द्वारा समर्थित।
- एस. के. बोले प्रस्ताव (1923) के आधार पर दलितों के चावदार तालाब से पानी लेने के अधिकार पर ज़ोर दिया गया, जिससे अछूतों को सार्वजनिक सुविधाओं तक पहुँच मिली।
- अधिकार दिए जाने के बावजूद, स्थानीय लोगों ने पहुँच में बाधा डाली; सत्याग्रहियों ने प्रतीकात्मक रूप से समानता का दावा करने के लिए ₹40 का पानी खरीदा।
- इसके बाद ऊँची जातियों ने शुद्धिकरण अनुष्ठान किए, जिससे जातिगत भेदभाव को बल मिला और अंबेडकर के आंदोलन का अगला चरण शुरू हुआ।

महाड सत्याग्रह 2.0 (25-26 दिसंबर, 1927)

- न्यायालयों द्वारा दलितों के प्रवेश पर रोक लगाए जाने के बाद यह सत्याग्रह आयोजित किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि वह तालाब निजी संपत्ति है।
- अंबेडकर ने अपनी पत्रिका बहिष्कृत भारत का शुभारंभ किया और मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लैंगिक समानता पर चर्चा की।
- सम्मेलन में, अंबेडकर ने प्रतीकात्मक रूप से ब्राह्मणवादी जाति व्यवस्था को खारिज करते हुए मनुस्मृति को जलाया।
- इस कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों पर ज़ोर दिया गया, जो जातिगत उत्पीड़न के विरुद्ध संघर्ष में लैंगिक समानता को शामिल करने के शुरुआती प्रयासों का प्रतीक था।

स्रोत: [द हिंदू](#)

कार्तिंगई महोत्सव

संदर्भ

तमिलनाडु में कार्तिंगई दीपम उत्सव समारोह शुरू हुआ।

कार्तिंगई महोत्सव के बारे में -

- यह तमिल महीने कार्तिंगई (नवंबर-दिसंबर) में मनाया जाने वाला तीन दिवसीय त्योहार है।

- यह पूर्णिमा के साथ मनाया जाता है और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने के लिए मिट्टी के तेल के दीपक (अगल विलक्कु) जलाए जाते हैं।
- भगवान् कार्तिंगेय/मुरुगन को समर्पित, प्रकाश, वीरता और सुरक्षा का प्रतीक।
- कार्तिंग दीपम का उल्लेख संगम साहित्य की एक प्रतिष्ठित रचना 'अहाननूस' में मिलता है।
- संगम युग की श्रद्धेय कवि अव्वैयार ने भी अपनी साहित्यिक कृतियों में इस उत्सव का उल्लेख किया है और इसे मनाया है।

स्रोत: [इंडियन एक्सप्रेस](#)

खाद्य विकिरण (Food Irradiation)

संदर्भ

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) ने प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY) के ICCVAI घटक के तहत बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयाँ (multi-product Food Irradiation Units) स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

खाद्य विकिरण क्या है?

- खाद्य विकिरण, भोजन को रेडियोधर्मी बनाए बिना बैक्टीरिया, कीड़े, कवक और परजीवियों को नष्ट करने के लिए आयनकारी विकिरण के संपर्क में लाने की नियंत्रित प्रक्रिया है।
- यह शेल्फ लाइफ बढ़ाने, आलू, प्याज जैसे अंकुरण को रोकने और फलों, सब्जियों, मसालों, अनाज और दालों में सूक्ष्मजीवी संदूषण को कम करने में मदद करता है।
- इसे एमए, एडीए, आईएफटी जैसी वैश्विक संस्थाओं द्वारा सुरक्षित माना गया है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं द्वारा इसका कठोर मूल्यांकन किया गया है।
- भारत में आम, मसाले, आलू, प्याज, अनाज, दालें, तिलहन जैसी वस्तुओं के लिए, संगरोध और नियर्यात मानदंडों को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- खाद्य विकिरण में प्रयुक्त विकिरण तकनीक:
 - गामा विकिरण: रेडियोधर्मी कोबाल्ट-60 स्रोतों से व्युत्पन्न।

- गहरा प्रवेश; थोक वस्तुओं (मसाले, अनाज, पैक किए गए उत्पाद) के लिए उपयुक्त।
- **एक्स-रेविकरण:** तब उत्पन्न होता है जब उच्च-ऊर्जा इलेक्ट्रॉन एक भारी-धातु लक्ष्य पर प्रहार करते हैं।
 - गामा किरणों के समान उच्च पैठ प्रदान करता है।
 - औद्योगिक और चिकित्सा अनुप्रयोगों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- **इलेक्ट्रॉन बीम(ई-बीम):** भोजन पर निर्देशित त्वरक से उच्च-ऊर्जा इलेक्ट्रॉनों का उपयोग करता है।
 - तेजी से प्रसंस्करण; सतह के उपचार और पतले उत्पादों के लिए आदर्श।
 - इसमें कोई रेडियोधर्मी स्रोत शामिल नहीं है।

स्रोत: [पीआईबी](#)

गोल्डीलॉक्स अवधि

संदर्भ

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया है, जिससे

2025 में तीव्र अवस्फीति और मजबूत वृद्धि के बीच 125 आधार अंकों की दर कटौती पूरी हो जाएगी।

- मुद्रास्फीति 0.3% तक गिरने और विकास मजबूत रहने के साथ, गवर्नर मल्होत्रा ने इसे भारत का "दुर्लभ गोल्डीलॉक्स क्षण" कहा।

गोल्डीलॉक्स अवधि क्या है?

- **गोल्डीलॉक्स अर्थव्यवस्था (Goldilocks economy)** एक व्यापक आर्थिक चरण को संदर्भित करती है जहाँ आर्थिक स्थितियाँ "बिल्कुल सही" होती हैं—न तो बहुत 'गर्म' (उच्च मुद्रास्फीति) और न ही बहुत 'ठंडी' (धीमी वृद्धि)।
- इसकी विशेषता कम, नियंत्रित मुद्रास्फीति के साथ मध्यम, स्थिर और टिकाऊ वृद्धि होती है।
- यह शब्द बच्चों की कहानी "गोल्डीलॉक्स एंड द श्री बियर" से प्रेरित है, जहाँ गोल्डीलॉक्स को दलिया का कटोरा मिलता है जो "बिल्कुल सही" है।
- नीति निर्माता इस चरण को महत्व देते हैं क्योंकि यह स्थिर मौद्रिक नीति की अनुमति देता है, निवेश का समर्थन करता है, उपभोक्ता विश्वास में सुधार करता है, और ओवरहीटिंग या मंदी के जोखिम को कम करता है।
- 2025 में भारत की स्थिति - मुद्रास्फीति 2% से नीचे और जीडीपी वृद्धि 8% से ऊपर - इस आदर्श व्यापक आर्थिक विवरण में फिट बैठती है।

स्रोत: [इकोनॉमिक टाइम्स](#)

समाचार में स्थान

थाईलैंड



समाचार? थाईलैंड भारत के समर्थन से ब्रिक्स की सदस्यता चाहता है।

थाईलैंड के बारे में -

- **अवस्थिति:** दक्षिण पूर्व एशिया, इंडोचाइनीज प्रायद्वीप का हिस्सा है।
- **राजधानी:** बैंकॉक
- **भूगोल:**
 - **सीमाएं:** म्यांमार (पश्चिम और उत्तर-पश्चिम), लाओस (उत्तर और पूर्वोत्तर), कंबोडिया (दक्षिण-पूर्व), मलेशिया (दक्षिण)
 - थाईलैंड की खाड़ी (पूर्व) और अंडमान सागर (पश्चिम) के साथ समुद्र तट।
 - भौगोलिक क्षेत्रों में शामिल हैं: उत्तरी पहाड़, केंद्रीय मैदान (थाईलैंड का चावल का कटोरा), पूर्वोत्तर कोराट पठार और दक्षिणी प्रायद्वीप।
 - **प्रमुख नदियाँ:** चाओ फ्राया, मेकांग (सीमा का हिस्सा बनती है), माई क्लोंग।

स्रोत: [Wionews](#)

